

संविधान दिवसः निजी, सरकारी स्कूलों, नेपा मिल की ओर से दी गई बाबा साहेब को श्रद्धांजलि

26 नवंबर 1949 का दिन स्वतंत्र भारत के लिए महत्वपूर्ण



पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

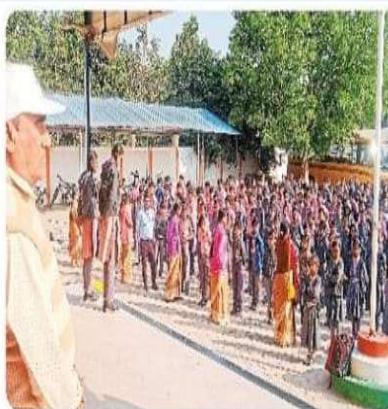
संविधान दिवस पर जिलेभर में जाह-जगह कार्यक्रम आयोजित किए गए। स्कूल, कॉलेज, निजी, सरकारी संस्थाओं में समारोह का आयोजन हुआ। संविधान दिवस पर बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। भारत का संविधान 26 नवंबर 1949 को अपनाया गया था। लेकिन 2 महीने बाद यानी की 26 जनवरी 1950 को इसे पूरी तरह से लागू किया।

बाबा साहेब की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

नेपानगर, केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के उपकर्म नेपा लिमिटेड ने मानवार का संविधान दिवस मनाया गया। निदेशक वित्त प्रदीप कुमार नाइक के नेतृत्व में अफसर कर्मियों ने डॉक्टर अंबेडकर चैरहे पर स्थित संविधान निर्माता बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और संविधान निर्माण में उनके अभूतपूर्व योगदान को याद किया। निदेशक वित्त नाइक ने कहा 26 नवंबर



प्रतिमा पर किया माल्यार्पण। बच्चों को बताया संविधान दिवस का महत्व।



दी बुद्धिस्ट सोसायटी ने मनाया संविधान दिवस

नेपानगर, दी बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया शाखा नेपानगर व माता स्माइ महिला संघ, बाबा साहेब अंबेडकर समाजिक एकता मंच के तत्वावधान में संविधान दिवस मनाया गया। डॉक्टर बाबा साहेब अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजा बंदना की गई। केंद्रीय शिक्षक प्रकाश खेसार द्वारा संविधान की महत्ता पर प्रकाश ढाला। इस दौरान अश्व विनोद बाविस्कर, कोषायक भास्कर मेंढे, अशोक गायकवाड, इंजीनियर किशोर तायडे, गौतम सोनवने, मिद्दार्थ शिंदे, पांडुरंग मिसाल, शांताराम जाधव, दगडू चूचेकर, विजय विनकर आदि मौजूद थे।

बुरहानपुर में कई स्थानों पर हुए कार्यक्रम

अंतर्गत चारों जगह संविधान दिवस मनाया।

जिला विधिक सहायता बुरहानपुर, जिला विधिक सेवा जयदेव मार्गिक ने बताया कि प्राधिकरण की ओर से संविधान पैरालिंगल वालटियर एवं कुटुंब दिवस के उपलक्ष में ग्रामीण नहीं, बल्कि हमारे देश के सबसे विषयन प्रशंसन सेनी, उमाशंकर शेत्र शाहपुर के सीएम राइस ने भारत का संविधान उद्देशिका स्कूल, आईटी कॉलेज का बाचन किया। इस अवसर पर बुरहानपुर एवं शासकीय समस्त कॉलेज एवं स्कूल के छत्रपति शिवाजी महाराज प्राचार्यगांगों के साथ साथ छात्र एवं कॉलेज व स्वरोजगार विभाग के छात्रा व समस्त स्टाफ मौजूद था।

वित्त नाइक ने कहा 1949 का दिन स्वतंत्र भारत के लिए इतिहास का एक अति महत्वपूर्ण दिन था। इसी दिन कई चर्चाओं और संशोधनों के बाद संविधान सभा ने संविधान को अंतिम रूप दिया था और भारत के संविधान को अंगीकृत किया गया था। वहीं संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 125वीं जयंती पर वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संविधान दिवस मनाए जाने की शुरुआत की थी।

जन संपर्क अधिकारी संदीप

ठाकरे ने बताया भारत का संविधान 26 नवंबर 1949 को अपनाया गया था। लेकिन 2 महीने बाद यानी की 26 जनवरी 1950 को इसे पूरी तरह से लागू किया गया था। इन दो महीनों के बीच में संविधान का अंग्रेजी और हिन्दी में अनुवाद करने के साथ ही इसका आम जनाना के बीच में प्रचार किया गया था। संविधान सभा ने इसको अंतिम रूप देने में 2 साल 11 महीने और 18 दिन का समय लिया था।

इस दौरान संविधान सभा की कुल

166 बैठकें हुई थीं। भारत का स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री संविधान देश के शासन और के रूप में काम किया था। नागरिकों के अधिकारों का कार्यक्रम के दौरान प्रबंधक आधारभूत दस्तावेज है। इसमें उन विषयों प्रशंसन कुमार बैथल, सभी मूल्यों और सिद्धांतों को प्रबंधक पेपर मरीन कुमार देशमुख, शासित किया गया है, जिन पर प्रबंधक पेपर मरीन एक त्यागी, भारत देश आधारित हैं। वास्तव में सहायक प्रबंधक पावर हाउस संविधान दिवस सिर्फ एक दिन अनिल करोले, सहायक प्रबंधक नहीं, बल्कि हमारे देश के सबसे विषयन प्रशंसन सेनी, उमाशंकर अहम दस्तावेज यानी की संविधान द्विवेदी, संसेशन तायडे, दीपक सिंह को बनाने में डॉ. भीमराव अंबेडकर को बनाने में डॉ. भीमराव अंबेडकर को बनाने में डॉ. भीमराव अंबेडकर का अहम योगदान रहा है। उन्होंने मौजूद थे।

संविधान दिवस • नेपा लिमिटेड के अफसर, कर्मियों ने आंबेडकर चौराहे पर पहुंचकर दी बाबा साहब को श्रद्धांजलि संविधान निर्माण बाबा साहब की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

मरकर स्वादयता | नेपालगढ़

केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के उपक्रम नेपा लिमिटेड ने मालवार को संविधान दिवस मनाया। निदेशक वित्त प्रदीप कुमार नाथक के नेतृत्व में अफसर, कर्मियों ने नगर के डॉ. आंबेडकर चौराहे पर स्थित संविधान निर्माण बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और संविधान निर्माण में उनके अभूतपूर्व योगदान को याद किया।

निदेशक वित्त प्रदीप कुमार नाथक ने कहा- 26 नवंबर 1949 का दिन स्वतंत्र भारत के लिए इतिहास का एक आति महत्वपूर्ण दिन था। इसी दिन कई चर्चाओं और संशोधनों के बाद संविधान सभा ने संविधान को अंतिम रूप दिया था और भारत के संविधान को अंगीकृत किया गया था। वहीं संविधान निर्माता



मरकर कर्मचारियों ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

बाबा सहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की 125वीं जयंती के अवसर पर वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

ने संविधान दिवस मनाने की ओर नारिकों के अधिकारों का शुरूआत की थी। इस दिन को आधारभूत दस्तावेज है। इसमें उन मनाने का मुख्य उद्देश्य देश के सभी मूल्यों और सिद्धांतों को नारिकों में संविधानिक मूल्यों के शामिल किया गया है, जिन पर प्रति आस्था और जागरूकता को प्रति आस्था और जागरूकता को भारत देश आधारित है। बास्तव में बढ़ाना है। जनसंघर्ष अधिकारी संविधान दिवस सिर्फ़ एक दिन संघर्ष ठक्करे ने बताया भारत का नहीं, बल्कि हमारे देश के सबसे संविधान 26 नवंबर 1949 को अहम दस्तावेज़ यानी की संविधान अपनाया गया था। लेकिन 2 महीने को याद करने का दिन है। संविधान बाद यानी की 26 जनवरी 1950 को बनाने में बाबा साहब डॉ. को इसे पूरी तरह से लागू किया गया था। इन दो महीनों के बीच में भीमराव आंबेडकर का अहम योगदान रहा है। उन्होंने स्वतंत्र संविधान का अंग्रेजी और हिंदी में भारत के पहले कानून मंत्री के रूप अनुवाद करने के साथ ही इसका में काम किया था। संविधान हमें आमजनता के बीच में प्रचार करने बताता है कि सरकार कैसे चलेगी में किया गया था। संविधान सभा ने और हमारे पास देश के नारिक के इसको अंतिम रूप देने में 2 साल तौर पर क्या अधिकार हैं। संविधान 11 महीने और 18 दिन का समय हमारे देश को लोकतांत्रिक देश लिया था। इस दौरान संविधान बनाता है जहां पर सभी को बराबरी सभा की कुल 166 बैठके हुई थीं। का हक मिलता है। इस अवसर पर भारत का संविधान देश के शासन निदेशक वित्त द्वारा संविधान के मौजूद थे।

नेपा लिमिटेड ने मनाया संविधान दिवस नगर के अंबेडकर चौराहे पर डॉ.बाबासाहेब जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

टैनिक खबरों की गेशनी जिला व्यूरो चीफ रविंद्र इंगले बुझनपुर। भारत सरकार के दिशा निर्देशन और सीएमडी गक्षे कुमार चोखानी के मार्गदर्शन में केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के उपक्रम नेपा लिमिटेड ने मंगलवार को संविधान दिवस मनाया गया। निर्देशक वित्त प्रदीप कुमार नाइक के नेतृत्व में अफसर कर्मियों ने नगर के डॉक्टर अंबेडकर चौराहे पर स्थित संविधान निर्माता बाबासाहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और संविधान निर्माण में उनके अभूतपूर्व योगदान को याद किया। निर्देशक वित्त प्रदीप कुमार नाइक ने कहा 26 नवंबर 1949 का दिन स्वतंत्र भारत के लिए इतिहास का एक अति महत्वपूर्ण दिन था। इसी दिन कई चर्चाओं और संशोधनों के बाद संविधान सभा ने संविधान को अंतिम रूप दिया था और भारत के संविधान को अंगीकृत किया गया था। वहाँ संविधान निर्माता बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 125वीं जयंती के अवसर पर वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संविधान दिवस मनाए जाने की शुरूआत की थी। इस दिन को मनाए जाने का मुख्य उद्देश्य देश के नागरिकों में संवेधानिक मूल्यों के प्रति आस्था और जागरूकता को बढ़ाना है। जन संपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने बताया भारत का संविधान 26 नवंबर 1949 को अपनाया गया था। लेकिन 2 महीने बाद यानी की 26 जनवरी 1950 को इसे पूरी तरह से लागू किया गया था। इन दो महीनों के बीच में संविधान का अस्त्रजी और हिंदी मैं अनुवाद करने के साथ ही इसका आम जनता के बीच में प्रचार करने में किया गया था। संविधान सभा ने इसको अंतिम रूप देने में 2 साल, 11 महीने और 18 दिन का समय लिया



था। इस दौरान संविधान सभा की कुल 166 बैठके हुई थीं। भारत का संविधान देश के शासन और नागरिकों के अधिकारों का आधारभूत दस्तावेज़ है। इसमें उन सभी मूल्यों और सिद्धांतों को शामिल किया गया है जिन पर भारत देश आधारित है। वास्तव में संविधान दिवस सिर्फ़ एक दिन नहीं, बल्कि हमारे देश के सबसे अहम दस्तावेज़ यानी की संविधान को याद करने का दिन है। संविधान को बनाने में बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का अहम योगदान रहा है। उन्होंने स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री के रूप में काम किया था। संविधान हमें बताता है कि सरकार कैसे चलेगी और हमारे पास देश के नागरिक के ताँर पर क्या अधिकार हैं। संविधान हमारे देश को लोकतांत्रिक देश बनाता है, जहाँ पर सभी को बराबरी का हक मिलता है। इस अवसर पर निर्देशक वित्त द्वारा संविधान के उद्देशिका का बाचन किया गया और सभी को एकता और अखंडता की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का संचालन जन संपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने किया और आभार सहायक प्रबंधक विपणन प्रशांत सोनी ने माना। कार्यक्रम के दौरान प्रबंधक विपणन प्रशांत कुमार बैथालू, प्रबंधक पेपर मशीन कुमार देशमुख, प्रबंधक पेपर मशीन एके त्यागी, सहायक प्रबंधक पावर हाउस अनिल करोले, सहायक प्रबंधक विपणन प्रशांत सोनी, उमाशंकर द्विवेदी, स्मेश तायड़ेदीपक सिंह ठाकुर, अशुतोष मिश्र, डीपी मिश्र, मुकेश चौहान, उमेश सोनी, ललित मोहन कुलश्रेष्ठ, श्याम खोवाल, काजोल बुगीवाला, संदीप माले, पंकज मरादे, मीत भट्ट, तारिणी नागवंशी सहित कई अफसर कर्मी उपस्थित थे।